भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3268

सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

भारत को सबसे बड़ा पर्यटक केंद्र बनाना

†3268. श्री एस. जगतरक्षकन:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने इस तथ्य का संज्ञान लिया है कि भारत वर्तमान में विश्व में सर्वाधिक पर्यटकों द्वारा यात्रा किया जाने वाला 22वां देश है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा भारत को विश्व का सबसे बड़ा पर्यटन केंद्र बनाने के लिए उठाए जाने वाले प्रस्तावित कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): यूएनडब्ल्यूटीओ बैरोमीटर (मई 2024) के अनुसार, भारत 2023* में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन (आईटीए) के मामले में विश्व स्तर पर 24वें स्थान पर था। इस अवधि के दौरान, भारत ने 2022 में 14.33 मिलियन की तुलना में 18.89 मिलियन आईटीए की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, जो कि इसमें 31.9% की भारी वृद्धि दर दर्शाता है।

* कुछ देशों से आंकड़े प्राप्त नहीं हो पाने के कारण वर्ष 2023 की रैंकिंग अनंतिम है।

पर्यटन मंत्रालय ने भारत को विश्व का सबसे बड़ा पर्यटन केंद्र बनाने के लिए निम्नलिखित कई कदम उठाए हैं:

- पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता' नामक योजनाओं के तहत देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

- पर्यटन मंत्रालय अपने विभिन्न अभियानों और कार्यक्रमों के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारत के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों को बढ़ावा देता है। इनमें से कुछ पहल, जैसे- देखो अपना देश अभियान, चलो भारत अभियान, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट, भारत पर्व आदि हैं।
- अतुल्य भारत कंटेंट हब लॉन्च किया गया जो एक व्यापक डिजिटल भंडार है, जिसमें भारत में पर्यटन से संबंधित उच्च गुणवत्ता वाली छवियों, फिल्मों, ब्रोशर और समाचार पत्रों का एक समृद्ध संग्रह शामिल है। संवर्धन कार्यक्रम मंत्रालय की वेबसाइट- www.incredibleindia.org और सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से भी चलाए जाते हैं।
- अन्य विशिष्ट विषयों के साथ-साथ कल्याण पर्यटन, पाक पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, पर्यावरण-पर्यटन इत्यादि जैसे विषयगत पर्यटन को बढ़ावा दिया जाता है, ताकि पर्यटन के दायरे को अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ाया जा सके।
- क्षमता निर्माण, कौशल विकास पर केंद्रित पहल, जैसे 'सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण' 'अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता' (आईआईटीएफ), 'पर्यटन मित्र' और 'पर्यटन दीदी' के माध्यम से समग्र गुणवत्ता और आगंतुक अनुभव में वृद्धि की जाती है।
- महत्वपूर्ण पर्यटन गंतव्यों के लिए हवाई कनेक्टिविटी में सुधार के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ उनकी आरसीएस-उड़ान योजना के तहत सहयोग किया है। अभी तक, 53 पर्यटन मार्गों पर उड़ान संचालन शुरू किया जा चुका है।
- ई-वीज़ा योजना अब 168 देशों के लिए उपलब्ध है और यह 7 उप-श्रेणियों के लिए निम्नानुसार उपलब्ध है:

    i. ई-पर्यटक वीज़ा
    ii. ई-बिजनेस वीज़ा
    iii. ई-मेडिकल वीज़ा
    iv. ई-कॉन्फ्रेंस वीज़ा और
    v. ई-मेडिकल अटेंडेंट वीज़ा
    vi. ई-आयुष वीजा
    vii. ई-आयुष अटेंडेंट वीजा

*****